चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	8.11.23	12	3-6

टीम ने शोध कार्यों व सुविधाओं को सराहा

हकृवि में कपास अनुसंधानों की क्यूआरटी टीम ने की समीक्षा

- भविष्य में भी इसी तरह निरंतर कार्य कर किसानों को खुशहाल बनाने का प्रयास रहेगा जारी : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचवार्षिक समीक्षा टीम (क्यूआरटी) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत कपास अनुभाग का दौरा किया और यहां जारी अनुसंधानों की समीक्षा की। वसंतराव नायक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परबनी के पूर्व कुलपति डॉ. बी वेंकटेस्वर्लू की अध्यक्षता में आई इस टीम में सिरसा के सीआईसीआर के मुखिया डॉ. ऋषि, यूएएस धारवाड़ के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. श्रीकांत एसपाटिल, नई दिल्ली के एनआईपीबी में प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एसआर भट्ट, डीडब्ल्यूआर जबलपुर के पूर्व निदेशक डॉ. एनटी यदुराजू, एनबीएआईआर बेंगलुरु के पूर्व निदेशक डॉ. चंदिश आरबल्लाल, सिरसा के सीआईसीआर के पूर्व मुखिया डॉ. डी मोंगा, सीआईआरसीओटी मुंबई के पूर्व निदेशक डॉ. जे शेख, सीआईसीआर नागपुर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. के वेल्मौरगान, सीआईसीआर कोयम्बटोर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एसमनिक्कम शामिल रहे।

हिसार। हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज से बातचीत करते पंचवार्षिक समीक्षा टीम के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

निरीक्षण के बाद कुलपति से किए विचार साझा

टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज से मुलाकात कर उनसे उपरोक्त निरीक्षण के बारे में अपने विचार साझा किए। पंचवार्षिक समीक्षा टीम का नेतृत्व कर रहे डॉ. बी वेंकटेस्वर्लू ने कपास अनुभाग के सभी शोध कार्यों व उनके लिए उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं की प्रशंसा की और इन्हें उत्तर भारत के सभी शिक्षण संस्थानों में उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं में सर्वश्रेष्ठ बताया। जिस पर कुलपति ने निरीक्षण टीम में शामिल सभी सदस्यों का आभार जताया। साथ ही कुलपति ने टीम को आश्वस्त किया कि किसानों की खुशहाली के लिए हम इसी प्रकार निरंतर प्रयत्नशील रहेंगे ताकि विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे शोध का लाभ न केवल हरियाणा अपितु संपूर्ण देश व विश्व को मिल सके। कुलपति ने क्यूआरटी टीम के सदस्यों को शॉल एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। अंत में कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. करमल मलिक ने समीक्षा टीम का धन्यवाद किया।

परीक्षणों का किया अवलोकन

क्यूआरटी टीम ने कपास अनुभाग के सभी शोध क्षेत्रों फसल उत्पादन, फसल सुरक्षा एवं फसल सुधार के अंतर्गत लगाए गए परीक्षणों का अवलोकन किया, जहां कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध का विस्तृत ब्यौरा टीम को दिया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय में आयोजित बैठक, जिसमें कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. करमल मलिक, डॉ. शिवराज पुनिया, डॉ. शिवानी मनकोटिया, डॉ. अनिल कुमार सैनी, डॉ. सोमवीर, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. शिवानी जाटान, डॉ. अनिल व डॉ. सुमन लाथर उपस्थित रहे में क्यूआरटी टीम को जारी हुए वैज्ञानिक कार्यों व भविष्य के लिए तैयार की गई योजनाओं से अवगत प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर कपास अनुभाग के वरिष्ठ सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. एसके पाहुजा व डॉ. आरएस सांगवान भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	8-11-23	4	1-3

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से बातचीत करते पंचवार्षिक समीक्षा टीम के सदस्य।

हकृवि में कपास अनुसंधानों की क्यू.आर.टी. टीम ने की समीक्षा

हिसार, 7 नवम्बर (न्यूरो): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचवार्षिक समीक्षा टीम (क्यू.आर.टी.) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत कपास अनुभाग का दौरा किया और यहां जारी अनुसंधानों की समीक्षा की। इस दौरान वसंतराव नायक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभनी के पूर्व कुलपति डॉ. बी.वेंकटेस्वलू की अध्यक्षता में आई इस टीम में सिरसा के सी.आई.सी.आर. के मुखिया डॉ. ऋषि, सू.ए.एस. धारवाड़ के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. औकांत एस.पाटिल, नई दिल्ली के एन.आई.पी.बी में प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एस.आर. भट्ट सहित अन्य वैज्ञानिक शामिल रहे।

क्यू.आर.टी. टीम ने कपास अनुभाग के सभी शोध क्षेत्रों फसल उत्पादन, फसल सुरक्षा एवं फसल सुधार के अंतर्गत लगाए गए परीक्षणों का अवलोकन किया, जहां कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध का विस्तृत ब्यौरा टीम को दिया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय में आयोजित बैठक, जिसमें कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. कर्मल मलिक, डॉ. शिवराज पुंडीर, डॉ. शिवानी मानधनिया, डॉ. अनिल कुमार सैनी, डॉ. सोमवीर, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. मिताली जाटान, डॉ. अनिल व डॉ. शुभम लांबा ने क्यू.आर.टी टीम को अभी तक हुए वैज्ञानिक कार्यों व भविष्य के लिए तैयार की गई योजनाओं से संबंधित प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर कपास अनुभाग के वरिष्ठ सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. एम.एस. चौहान व डॉ. आर.एस. सांगवान भी मौजूद रहे।

क्यू.आर.टी टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से मुलाकात कर उनसे उपरोक्त निरीक्षण के बारे में अपने विचार साझा किए। कुलपति ने टीम को आश्वस्त किया कि किसानों की खुशहाली के लिए हम इसी प्रकार निरंतर प्रयत्नशील रहेंगे, ताकि विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे शोध का लाभ न केवल हरियाणा, अपितु संपूर्ण देश व विश्व को मिल सके। इस अवसर पर कुलपति ने क्यू.आर.टी. टीम के सदस्यों को शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	8.11.23	2	5-8

एचएयू में कपास अनुसंधानों की क्यूआरटी टीम ने की समीक्षा

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कांबोज के समक्ष वैज्ञानिकों ने भविष्य के लिए की गई योजनाएं प्रस्तुत कीं

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचवार्षिक समीक्षा टीम (क्यूआरटी) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत कपास अनुभाग का दौरा किया। क्यूआरटी टीम ने कपास अनुभाग के सभी शोध क्षेत्रों कपास उत्पादन, फसल सुरक्षा एवं फसल सुधार के अंतर्गत लगाए गए परीक्षणों का अवलोकन किया।

एचएयू में कुलपति प्रो. बीआर कांबोज से बातचीत करते समीक्षा टीम के सदस्य। स्रोत: विवि

कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध का विस्तृत ब्योरा टीम को दिया। क्यूआरटी टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज से मुलाकात कर उनसे उपरोक्त निरीक्षण के बारे में अपने विचार साझा किए। कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. करमल मलिक सहित अन्य वैज्ञानिक कार्यों व भविष्य के लिए तैयार की गई योजनाओं से संबंधित प्रस्तुतियां दीं।

इस मौके पर कपास अनुभाग के वरिष्ठ सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. एमएस चौहान, डॉ. आरएस सांगवान, वसंतराव नायक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी के पूर्व कुलपति डॉ. बी.वेंकटेश्वरलु की अध्यक्षता में आई टीम में सिरसा के सीआईसीआर के मुखिया डॉ. ऋषि, यूएएस धारवाड़ के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. श्रीकांत, एस पाटिल, नई दिल्ली के एनआईपीबी में प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एसआर भट्ट, डीडब्ल्यूआर जबलपुर के पूर्व निदेशक डॉ. एनटी यदुराजू, एनबीएआईआर बेंगलुरु के पूर्व निदेशक डॉ. चंदीश आर बल्लाल, सिरसा के डॉ. डी मोंगा, डॉ. जे शेख, डॉ. के वेल्मोरीगाने, डॉ. एम मणिकम शामिल रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	8.11.23	5	1-4

हकृवि में कपास अनुसंधानों की क्युआरटी टीम ने की समीक्षा, शोध कार्यों व सुविधाओं को सराहा

हिसार, 7 नवम्बर (विरेन्द्र वर्मा): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचवार्षिक समीक्षा टीम (क्युआरटी) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत कपास अनुभाग का दौरा किया और यहां जारी अनुसंधानों की समीक्षा की। वसंतराव नायक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभनी के पूर्व कुलपति डॉ. बी.वेंकटेस्वर्लू की अध्यक्षता में आई इस टीम में सिरसा के सी.आई.सी.आर. के मुखिया डॉ. ऋषि, यू.ए.एस. धारवाड़ के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. श्रीकांत एस.पाटिल, नई दिल्ली के एन.आई.पी.बी. में प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एस.आर. भट्ट, डी.डब्लयू.आर. जबलपुर के पूर्व निदेशक डॉ. एन.टी.यदुराजू, एन.बी.ए.आई.आर. बैंगलुरु के पूर्व निदेशक डॉ. चंदिश आर.बल्लाल, सिरसा के सी.आई.सी.आर. के पूर्व मुखिया डॉ. डी.मोंगा, सी.आई.आर.सी.ओ.टी. मुंबई के पूर्व निदेशक डॉ. के.शेखर, सी.आई.सी.आर. नागपुर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. के.वेल्मोरीगाने, सी.आई.सी.आर. कोयम्बटूर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एस.मणिकम शामिल रहे। क्युआरटी टीम ने कपास अनुभाग के सभी शोध क्षेत्रों फसल उत्पादन, फसल सुरक्षा एवं फसल सुधार के अंतर्गत लगाए गए परीक्षणों का अवलोकन किया, जहां कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध का विस्तृत ब्यौरा टीम को दिया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय में आयोजित बैठक, जिसमें कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. करमल मलिक, डॉ. शिवराज पुनिया, डॉ. शिवानी मानधानिया, डॉ. अनिल कुमार सैनी, डॉ. सोमवीर, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. मिनाक्षी जाटान, डॉ. अनिल व डॉ. सुभम लांबा उपस्थित रहे ने क्युआरटी टीम को अभी तक हुए वैज्ञानिक कार्यों व भविष्य के लिए तैयार की गई योजनाओं से संबंधित प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर कपास अनुभाग के वरिष्ठ सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. एम.एस. चौहान व डॉ. आर.एस. सांगवान भी मौजूद रहे। क्युआरटी टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से मुलाकात कर उनसे उपरोक्त निरीक्षण के बारे में अपने विचार साझा किए। पंचवार्षिक समीक्षा टीम का नेतृत्व कर रहे डॉ. बी.वेंकटेस्वर्लू ने कपास अनुभाग के सभी शोध कार्यों व उनके लिए उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं की प्रशंसा की और इन्हें उत्तर भारत के सभी शिक्षण संस्थानों में उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं से सर्वश्रेष्ठ बताया। जिस पर कुलपति ने निरीक्षण टीम में शामिल समस्त सदस्यों का आभार जताया। साथ ही कुलपति ने टीम को आश्वस्त किया कि किसानों की खुशहाली के लिए हम इसी प्रकार निरंतर प्रयत्नशील रहेंगे ताकि विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे शोध का लाभ न केवल हरियाणा अपितु संपूर्ण देश व विश्व को मिल सके। इस अवसर पर कुलपति ने क्युआरटी टीम के सदस्यों को शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अंत में कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. करमल मलिक ने समीक्षा टीम का धन्यवाद किया।

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से बातचीत करते हुए पंचवार्षिक समीक्षा टीम के सदस्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	8.11.23	3	6

एचएयू में कपास अनुसंधानों की क्यूआरटी टीम ने की समीक्षा

हिसार। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचवार्षिक समीक्षा टीम क्यूआरटी ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत कपास अनुभाग का दौरा किया और यहां जारी अनुसंधानों की समीक्षा की। वसंतराव नायक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभनी के पूर्व कुलपति डॉ. बी. वेंकटेस्वर्लू की अध्यक्षता में टीम आई।

क्यूआरटी टीम ने कपास अनुभाग के सभी शोध क्षेत्रों फसल उत्पादन, फसल सुरक्षा एवं फसल सुधार के अंतर्गत लगाए परीक्षणों का अवलोकन किया। जहां कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध का ब्यौरा टीम को दिया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय में हुई बैठक में भाग लिया। इसमें कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. कमल मलिक, डॉ. शिवराज चुंडीर, डॉ. शिवानी मानकनिया, डॉ. अनिल कुमार सैनी, डॉ. सोमवीर, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. मिनाक्षी जाटान, डॉ. अनिल व डॉ. शुभम लांबा उपस्थित रहे। उन्होंने क्यूआरटी टीम को अभी तक हुए वैज्ञानिक कार्यों व भविष्य के लिए तैयार की गई योजनाओं से संबंधित प्रस्तुतियां दीं। इस मौके पर कपास अनुभाग के वरिष्ठ सेवानिवृत वैज्ञानिक डॉ. एमएस चौहान व डॉ. आरएस सांगवान भी मौजूद रहे। क्यूआरटी टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज से मुलाकात कर उनसे उपरोक्त निरीक्षण के बारे में विचार साझा किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	8-11-23	5	1-4

एचएयू के शोध कार्यों और सुविधाओं की सरहाना की

- हकृवि में कपास अनुसंधानों की क्यूआरटी टीम ने की समीक्षा
- वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध का विस्तृत ब्योरा टीम को दिया

लुवास में प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति लुवास प्रो. विनोद कुमार शर्मा। • जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचवार्षिक समीक्षा टीम (क्यूआरटी) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत कपास अनुभाग का दौरा किया और यहां जारी अनुसंधानों की समीक्षा की। वसंतराव नायक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ परभनी के पूर्व कुलपति डा. बी वेंकटेस्वर्लु की अध्यक्षता में टीम पहुंची। इसमें सिरसा के सीआइसीआर के मुखिया डा. ऋषि, यूएएस धारवाड़ के पूर्व अनुसंधान निदेशक डा. श्रीकांत एस पाटिल, नई दिल्ली के एनआइपीबी में प्रमुख वैज्ञानिक डा. एसआर भट्ट, डीडब्ल्यूआर जबलपुर के पूर्व निदेशक डा. एनटी यदुराजु, एनबीएआइआर बेंगलुरु के पूर्व निदेशक डा. चंदिश आर बल्लाल, सिरसा के सीआइसीआर के पूर्व मुखिया डा. डी. मोंगा, सीआइआरसीओटी मुंबई के पूर्व निदेशक डा. जे शेख, सीआइसीआर नागपुर के प्रमुख वैज्ञानिक डा. के वेलमौरूगने, सीआइसीआर कोयम्बटूर के प्रमुख वैज्ञानिक डा. एस मनिक्कम शामिल रहे।

क्यूआरटी टीम ने कपास अनुभाग के सभी शोध क्षेत्रें फसल उत्पादन, फसल सुरक्षा एवं फसल सुधार के अंतर्गत लगाए गए परीक्षणों का अवलोकन किया। कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध का विस्तृत ब्योरा टीम को दिया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय में आयोजित बैठक, जिसमें कपास अनुभाग के प्रभारी डा. करमल मलिक, डा. शिवराज पुंडीर, डा. शिवानी मानधनिया, डा. अनिल कुमार सैनी, डा. सोमवीर, डा. संदीप कुमार, डा. मिनाक्षी जाटान, डा. अनिल व डा. शुभम लांबा उपस्थित रहे। वैज्ञानिकों ने टीम को अभी तक हुए वैज्ञानिक कार्यों व भविष्य के लिए तैयार की गई योजनाओं से संबंधित प्रस्तुतियां दीं। इस मौके पर कपास अनुभाग के वरिष्ठ सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डा. एमएस चौहान व डा. आरएस सांगवान भी मौजूद रहे।

क्यूआरटी टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज से मुलाकात कर उनसे उपरोक्त निरीक्षण के बारे में अपने विचार साझा किए। पंचवार्षिक समीक्षा टीम का नेतृत्व कर रहे डा. बी वेंकटेस्वर्लु ने कपास अनुभाग के सभी शोध कार्यों व उनके लिए उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं की प्रशंसा की और इन्हें उत्तर भारत के सभी शिक्षण संस्थानों में उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं से सर्वश्रेष्ठ बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	8-11-22	1	2-5

एग्री टूरिज्म सैंटर को मिलेगा नया लुक, कृषि अनुसंधानों व प्रौद्योगिकियों को मिलेगा बढ़ावा

हिसार, 7 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्री टूरिज्म सैंटर (कृषि पर्यटन केंद्र) को नया लुक देकर आकर्षण का केन्द्र बनाया जा रहा है। यहां पर 350 लोगों के बैठने की क्षमता वाला ओपन एयर थियेटर भी होगा, जिसमें स्कूल व कालेज के विद्यार्थियों को कृषि से संबंधित जानकारियां मिलेंगी।

इसके अलावा पेड़ों के साथ प्रकृति का नजारा लेने के लिए ट्री-हाउस बन रहा है। साथ ही यहां एग्री टूरिज्म थीम पार्क बनाने का कार्य भी चल रहा है। इस थीम पार्क में हरियाणवी संस्कृति को प्रदर्शित किया जाएगा। इन सबके साथ इस कृषि पर्यटन केंद्र में डैकोरेटिव वाटर पूल व सूचना केन्द्र का भी निर्माण किया जा रहा है।

कार्य करते कारीगर व (इनसैट में) एग्री-टूरिज्म सैंटर का गेट।।

" एग्री-टूरिज्म सैंटर को स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य कृषि अनुसंधानों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना और प्रकृति को स्वच्छ रखने के लिए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करना है। साथ ही एग्री-इको पर्यटन से लेकर शैक्षणिक मूल्यों के प्रति दूसरों को प्रेरित करना है। इसके अलावा स्कूलों व कॉलेजों के विद्यार्थियों को जैव विविधता के बारे में जानने का भी अवसर मिलेगा।

- प्रो. बी.आर. काम्बोज, कुलपति, हकृवि।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि पर्यटन केन्द्र स्थापित किया गया है, जिसमें बॉटेनिकल गार्डन, प्रोटीन उद्यान, विटामिन गार्डन, औषधीय उद्यान, एक्वाटिक प्लांट गार्डन शामिल हैं। इस केन्द्र को स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य कृषि अनुसंधानों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना और प्रकृति को स्वच्छ रखने के लिए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करना है।

साथ ही एग्री-इको पर्यटन से लेकर शैक्षणिक मूल्यों के प्रति दूसरों को प्रेरित करना भी है। जैव-विविधता वाले लगभग 550 पौधों की प्रजातियां यहां देखी जा सकती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	8.11.22	9	1-8

युवाओं की कृषि क्षेत्र में रूचि बढ़ाने के लिए हकृवि में बन रहा एग्री-टूरिज्म सेंटर

वनस्पति विज्ञान और पादप शरीर क्रिया विज्ञान ने देशी और विदेशी पौधों की प्रजातियों का अनोखा संग्रह

हरियाणवी खानपान के जायके से रूबरू करवाया गया फूड कोर्ट

जैव-विविधता को दिखाती 550 पौधों की प्रजातियां

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	07.11.2023	--	--

हिसार:कपास अनुसंधानों की क्यूआरटी टीम ने की समीक्षा, शोध कार्यों को सराहा

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने टीम को किया आश्वस्त

भविष्य में भी इसी तरह निरंतर कार्य कर किसानों को खुशहाल बनाने का प्रयास रहेगा जारी

हिसार, 7 नवंबर (हि.स.)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचवार्षिक समीक्षा टीम (क्यूआरटी) ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत कपास अनुभाग का दौरा किया और यहां जारी अनुसंधानों की समीक्षा की।

वसंतराव नायक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभनी के पूर्व कुलपति डॉ. बी.वेंकटेस्वर्लु की अध्यक्षता में आई इस टीम में सिरसा के सीआईसीआर के मुखिया डॉ. ऋषि, यूएएस धारवाड़ के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. श्रीकांत एस.पाटिल, नई दिल्ली के एनआईपीबी में प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एसआर भट्ट, डीडब्ल्यूआर जबलपुर के पूर्व निदेशक डॉ. एनटी यदुराजू, सीआईसीआर नागपुर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. के वेलमौरोगाने, सीआईसीआर कोयम्बटोर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एस मनिवक्कम शामिल रहें।

क्यूआरटी टीम ने कपास अनुभाग के सभी शोध क्षेत्रों फसल उत्पादन, फसल सुरक्षा एवं फसल सुधार के अंतर्गत लगाए गए परीक्षणों का अवलोकन किया, जहां कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध का विस्तृत ब्यौरा टीम को दिया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय में आयोजित बैठक, जिसमें कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. कर्मल मलिक, डॉ. शिवराज पुंडीर, डॉ. शिवानी मानधनिया, डॉ. अनिल कुमार सैनी, डॉ. सोमवीर, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. मिनाक्षी जाटान, डॉ. अनिल व डॉ. शुभम लांबा उपस्थित रहे ने क्यूआरटी टीम को अभी तक हुए वैज्ञानिक कार्यों व भविष्य के लिए तैयार की गई योजनाओं से संबंधित प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर कपास अनुभाग के वरिष्ठ सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. एमएस चौहान व डॉ. आरएस सांगवान भी मौजूद रहे।

क्यूआरटी टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज से मुलाकात कर उनसे उपरोक्त निरीक्षण के बारे में अपने विचार साझा किए। पंचवार्षिक समीक्षा टीम का नेतृत्व कर रहे डॉ. बी.वेंकटेस्वर्लु ने कपास अनुभाग के सभी शोध कार्यों व उनके लिए उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं की प्रशंसा की और इन्हें उत्तर भारत के सभी शिक्षण संस्थानों में उपलब्ध करवाई जा ही सुविधाओं से सर्वश्रेष्ठ बताया। इस अवसर पर कुलपति ने क्यूआरटी टीम के सदस्यों को शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अंत में कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. कर्मल मलिक ने समीक्षा टीम का धन्यवाद किया।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	07.11.2023	--	--

सिटीपल्स हिसार — हिसार-आसपास

हकृवि में कपास अनुसंधानों की क्युआरटी टीम ने की समीक्षा, शोध कार्यों व सुविधाओं की सराहना

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचवर्षीय समीक्षा टीम (क्युआरटी) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत कपास अनुभाग का दौरा किया और यहां जारी अनुसंधानों की समीक्षा की। वसंतराव नायक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी के पूर्व कुलपति डॉ. बी. वेंकटेश्वरलु की अध्यक्षता में आई इस टीम में सिरसा के सी.आई.सी.आर. के मुखिया डॉ. ऋषि कुमार, यू.ए.एस. धारवाड़ के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. श्रीकांत एस.पाटिल, नई दिल्ली के एन.आई.पी.बी. में प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एस.आर. भट्ट, डॉ. इलामु आर., जबलपुर के पूर्व निदेशक डॉ. एस.टी. पद्मराजू, एन.बी.ए.आई.आर. बेंगलुरु के पूर्व निदेशक डॉ. चंदिश आर.बल्लाल, सिरसा के सी.आई.सी.आर के पूर्व मुखिया डॉ. डी.मोंगा, सी.आई.आर.सी.ओ.टी. मुंबई के पूर्व निदेशक डॉ. पी.जी. पाटिल, सी.आई.सी.आर नागपुर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. के.वेल्मोरगने, सी.आई.सी.आर. कोयम्बटूर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एस.मणिकम शामिल थे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से बात करते क्युआरटी के सदस्य।

क्युआरटी टीम ने कपास अनुभाग के सभी शोध क्षेत्रों कपास प्रजनन, कपास सुरक्षा एवं कपास सुधार के अंतर्गत लगाए गए परीक्षणों का अवलोकन किया, जहां कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध का विस्तृत ब्यौरा टीम को दिया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय में आयोजित बैठक, जिसमें कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. करमल मलिक, डॉ. शिवराज पुनिया, डॉ. शिवानी मानधनिया, डॉ. ओमेन्द्र कुमार सैनी, डॉ. सोमवीर, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. शिवानी पाठक, डॉ. अनिल व डॉ. सुभाष चंद्र उपस्थित रहे ने क्युआरटी टीम को अभी तक हुए वैज्ञानिक कार्यों व भविष्य के लिए तैयार की गई योजनाओं से संबंधित प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर कपास अनुभाग के वरिष्ठ सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. चौहान व डॉ. आर.एस. सांगवान भी मौजूद रहे।

क्युआरटी टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से मुलाकात कर उनसे उपरोक्त निरीक्षण के बारे में अपने विचार साझा किए। पंचवर्षीय समीक्षा टीम का नेतृत्व कर रहे डॉ. बी.वेंकटेश्वरलु ने कपास अनुभाग के सभी शोध कार्यों व उनके लिए उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं की प्रशंसा की और इन्हें उत्तर भारत के सभी शिक्षण संस्थानों में उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं से सर्वश्रेष्ठ बताया। जिस पर कुलपति ने निरीक्षण टीम में शामिल सभी सदस्यों का आभार जताया। साथ ही कुलपति ने टीम को आश्वस्त किया कि किसानों की खुशहाली के लिए हम इसी प्रकार निरंतर प्रयासरत रहेंगे ताकि विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे शोध का लाभ न केवल हरियाणा अपितु संपूर्ण देश व विश्व को मिल सके। इस अवसर पर कुलपति ने क्युआरटी टीम के सदस्यों को सम्मानित किया। अंत में कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. करमल मलिक ने समीक्षा टीम का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	07.11.2023	--	--

दैनिक पाठकपक्ष, हिसार, मंगलवार, 7 नवम्बर, 2023

कृषि उत्पादकों की वैल्यू एडिशन, बेहतर ब्रांडिंग व पैकेजिंग किसानों व कृषि उद्यमियों को देंगे अधिक लाभ : प्रो. बी. आर. काम्बोज

हकृवि में रोल ऑफ एग्रीबिजनेस इन सेल्फ रिलायंस ऑफ इंडिया विषय पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 7 नवम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की काउंसिलिंग एवं प्लेसमेंट सेल के द्वारा आईडीपी-नाहेप प्रोजेक्ट के तहत रोल ऑफ एग्रीबिजनेस इन सेल्फ रिलायंस ऑफ इंडिया विषय पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने उद्घाटन किया। इस दौरान छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा भी मौजूद रहे।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने संबोधित करते हुए कहा कि कृषि में भी रोजगार की अपार संभावनाएं है, बस जरूरत है तो किसानों व कृषि उद्यमियों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए उन्हें सक्षम बनाने की। इसलिए विश्वविद्यालय की ओर से समय-समय पर कृषि से संबंधित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं ताकि इन प्रशिक्षण में भाग लेकर किसान व कृषि उद्यमी खासतौर पर युवा किसान नई जानकारियां, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों से अपडेट हो सके। मुख्यातिथि ने इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए विश्वविद्यालय में नाबार्ड व आरकेवीवाई के तहत स्थापित किए गए एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस सेंटर द्वारा एक्षिक युवा व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सहायता प्रदान की जा रही है ताकि वे अपने व्यवसाय को अच्छे से स्थापित कर सकें और दूसरों को रोजगार प्रदान कर सकें। विश्वविद्यालय स्थित यह केंद्र न केवल चयनित स्टार्टअप्स को तकनीकी सहायता प्रदान करता है बल्कि जरूरत के अनुसार उन्हें आर्थिक सहायता भी प्रदान करवाता है।

छात्र कल्याण निदेशक एवं कार्यक्रम निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कृषि व्यवसाय एक ऐसा साधन है, जिससे किसान अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकते है। उन्होंने युवाओं को खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए इस प्रशिक्षण को अहम बताया। प्रशिक्षण के दौरान नासिक के डॉ. मुंजे इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज की निदेशक डॉ. प्रिति कुलकर्णी ने कहा कि कृषि विषय के विद्यार्थी किसानों के साथ जुड़कर फार्मर-प्रोड्यूसर समूह बनाकर उन्हें अधिक लाभ दिला सकते हैं तथा उनका यह प्रयास राष्ट्रीय पुनः निर्माण में अत्यंत सहायक साबित होगा।

इस अवसर पर सह छात्र कल्याण निदेशक (काउंसिलिंग एवं प्लेसमेंट) डॉ. सुबोध अग्रवाल ने भविष्य में भी इस तरह की कार्यशालाओं के आयोजन से विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन करने के लिए आश्वासन दिया। डॉ. अंकिता गिरधर ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. सुशील लेगा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व डॉ. सुमन गहलावत भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समग्र हरियाणा	07.11.2023	--	--

हकृवि में कपास अनुसंधानों की क्युआरटी टीम ने की समीक्षा, शोध कार्यों व सुविधाओं को सराहा

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने टीम को किया आश्वस्त कि भविष्य में भी इसी तरह निरंतर कार्य कर किसानों को खुशहाल बनाने का प्रयास रहेगा जारी

समग्र हरियाणा न्यूज

हिसार, 7 नवंबर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचवर्षीय समीक्षा टीम (क्यूआरटी) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत कपास अनुभाग का दौरा किया और वहां जारी अनुसंधानों की समीक्षा की। [illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
[illegible]	07.11.2023	--	--

हिसार

मंगलवार, 07 नवंबर 2023

भविष्य में भी इसी तरह निरंतर कार्य कर किसानों को खुशहाल बनाने का प्रयास रहेगा जारी, कुलपति प्रो. काम्बोज ने टीम को किया आश्वस्त

हकृवि में कपास अनुसंधानों की क्यूआरटी टीम ने की समीक्षा, शोध कार्यों व सुविधाओं को सराहा

हिसार। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचवार्षिक समीक्षा टीम (क्यूआरटी) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत कपास अनुभाग का दौरा किया और यहां जारी अनुसंधानों की समीक्षा की। [illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टुडे	07.11.2023	--	--

हकृवि में कपास अनुसंधानों की क्युआरटी टीम ने की समीक्षा, शोध कार्यों व सुविधाओं को सराहा

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने टीम को किया आश्वस्त कि भविष्य में भी इसी तरह निरंतर कार्य कर किसानों को खुशहाल बनाने का प्रयास रहेगा जारी

हिसार टुडे । हिसार

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से बातचीत करते पंचवार्षिक समीक्षा टीम (क्युआरटी) के सदस्य।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचवार्षिक समीक्षा टीम (क्युआरटी) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत कपास अनुभाग का दौरा किया और यहां जारी अनुसंधानों की समीक्षा की। वसंतराव नायक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभनी के पूर्व कुलपति डॉ. बी.वेंकटेश्वर्लु की अध्यक्षता में आई इस टीम में सिरसा के सी.आई.सी.आर. के मुखिया डॉ. ऋषि कुमार, यू.ए.एस. धारवाड़ के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. श्रीकांत एस.पाटिल, नई दिल्ली के एन.आई.पी.बी. में प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एस.आर. भट्ट, डी.डब्ल्यू.आर. जबलपुर के पूर्व निदेशक डॉ. एन.टी.यदुराजू, एन.बी.ए.आई.आर. बेंगलुरु के पूर्व निदेशक डॉ. चंदिश आर.बल्लाल, सिरसा के सी.आई.सी.आर के पूर्व मुखिया डॉ. डी.मोंगा, सी.आई.आर.सी.ओ.टी. मुंबई के पूर्व निदेशक डॉ. जे.सेबा, सी.आई.सी.आर. नागपुर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. के.वेलमौरगन, सी.आई.सी.आर. कोयम्बटूर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एस.मनिकम शामिल रहे। क्युआरटी टीम ने कपास अनुभाग के सभी शोध क्षेत्रों फसल उत्पादन, फसल सुरक्षा एवं फसल सुधार के अंतर्गत लगाए गए परीक्षणों का अवलोकन किया, जहां कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध का विस्तृत ब्यौरा टीम को दिया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय में आयोजित बैठक, जिसमें कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. करमल मलिक, डॉ. शिवराज पुंडीर, डॉ. शिवानी मानधानिया, डॉ. अनिल कुमार सैनी, डॉ. सोमवीर, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. मिनाक्षी जटान, डॉ. अनिल व डॉ. सुभाष लांबा उपस्थित रहे में क्युआरटी टीम को अभी तक हुए वैज्ञानिक कार्यों व भविष्य के लिए तैयार की गई योजनाओं से संबंधित प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर कपास अनुभाग के वरिष्ठ सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. एम.एस. चौहान व डॉ. आर.एस. सांगवान भी मौजूद रहे।

क्युआरटी टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से मुलाकात कर उनसे उपरोक्त निरीक्षण के बारे में अपने विचार साझा किए। पंचवार्षिक समीक्षा टीम का नेतृत्व कर रहे डॉ. बी.वेंकटेश्वर्लु ने कपास अनुभाग के सभी शोध कार्यों व उनके लिए उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं की प्रशंसा की और इन्हें उत्तर भारत के सभी शिक्षण संस्थानों में उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं से सर्वश्रेष्ठ बताया। जिस पर कुलपति ने निरीक्षण टीम में शामिल समस्त सदस्यों का आभार जताया। साथ ही कुलपति ने टीम को आश्वस्त किया कि किसानों की खुशहाली के लिए हम इसी प्रकार निरंतर प्रयासरत रहेंगे ताकि विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे शोध का लाभ न केवल हरियाणा अपितु संपूर्ण देश व विश्व को मिल सके। इस अवसर पर कुलपति ने क्युआरटी टीम के सदस्यों को शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अंत में कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. करमल मलिक ने समीक्षा टीम का धन्यवाद किया।